Suspension of the Scientifc Advisory Committee to the Cabinet

1237. DR. RAJARAMANNA:
KUMARI NIRMALA DESHPANDE:
DR. (MS) P. SELVIE DAS:
SHRI BRATIN SENGUPTA:
DR. C. NARYANA REDDY:

Will the Minister of SCIENCE & TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) Whether the Scientific Advisory Committee to the Cabinet constituted by Government has been recently suspended;

(b) If no, the number of meetings held during the last three years; and

(c) The details of recommendations during this period and their implementation?

THE MINISTER OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (DR. MURLI MANOHAR JOSHI): (a) No Sir;

(b) The Scientific Advisory Committee to the Cabinet (SAC-C) has met eight times since it was set up on June 13, 1997;

(c) Some of the important recommendations of the committee have been towards increasing the fellowship amount for researchers; strengthening of the infrastucture for research and science education in universities; developing guidelines for the implementation of Swarnajayanti Fellowship scheme and have been broadly accepted in Government. Other recommendations such as for Innovation and Intellectual Property Management; encouraging study of taxonomy, etc. have been remitted to the concerned Departments for appropriate action at their end.

प्रयोगशालाओं में हुए अनुसंधान और अविष्कार से लाभ

1238. **श्री कपिल सिब्बल:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में प्रयोगशालाओं में सफलतापूर्वक किए जा रहे अनुसंधान और अविष्कार के निष्कर्षों से समाज के संबंधित वर्गों द्वारा कोई लाभ नहीं उठाया जा रहा है;

(ख) क्या यह सच है कि इन अनुसंधानों और अविष्कारों के सफल निष्कर्षों को लागू करने के लिए देश में स्थायी आधार पर कोई सूचना तंत्र उपलब्ध नहीं है; और

(ग) यदि उपरोक्त भाग (ख) का उत्तर "ना" में हो तो उसका ब्यौरा क्या है?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (डा० मुरली मनोहर जोशी): (क) से (ग) जी, नहीं कृषि, औषधि एवं फार्मास्यूटिकल्स औद्योगिक उत्प्रेरकों, खाद्य संसाधन, निर्माण सामग्री, चमड़ा संसाधन और उत्पाद् इत्यादि के क्षेत्र में प्रयोगशालाओं में विकसित की गई अनेक प्रौद्योगिकियां सफलतापूर्वक समाज में अनुप्रयोग के लिए अंतरित की गई हैं। सफल निष्कर्षों और प्रौद्योगिकियों को समाज में अंतरित करने के लिए राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की अपनी व्यवस्था है। देश में सफल निष्कर्ष एवं खोजों के प्रसार में — विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए राष्ट्रीय सूचना प्रणाली (एन आई एस एस ए टी), महासागर प्रेक्षण और सूचना सेवाएं (ओ ओ आई एस), जैव-सूचना केन्द्र, प्रौद्योगिक सूचना प्रणाली (टी आई एफ ए सी एल आई एन ई), राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एन आर डी सी) और कृषि विज्ञान केन्द्रों आदि जैसी सूचना प्रणालियां महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही हैं।

ट्रांसजेनिक वी० टी० कॉटन का उत्पादन

1239. **श्री बरजिन्दर सिंह:** क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अमरीकी संस्थान, मोनसेंटो को सरकार द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में 40 स्थान नियत करके ट्रांसजेनिक वी०टी० कॉटन के उत्पादन की अनुमति दी गई है;

(ख) यदि हां, तो ये राज्य कौन-कौन से हैं और प्रत्येक राज्य में कितने-कितने स्थानों पर उक्त मद का उत्पादन किया जा रहा है;

(ग) क्या सरकार द्वारा इन बीजों का इस्तेमाल करके उत्पादन करने की अनुमति दिए जाने से पूर्व उक्त बीजों के गुण तथा दोषों पर विचार कर लिया गया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?